सीरी में स्टूडेन्ट इंजीनियरिंग मॉडल कॉम्पिटीशन (SEMC & Expo) के घोषणा समारोह का आयोजन

एसीएसआईआर के कुलाधिपति एवं पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी डॉ चंद्रशेखर थे मुख्य अतिथि

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी तथा विज्ञान भारती-राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 23 तथा 24 दिसंबर, 2020 को वर्चुअल रूप में आयोजित किए जा रहे भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ 2020) के अंतर्गत स्टूडेन्ट इंजीनियरिंग मॉडल कॉम्पिटीशन एंड एक्सपो का घोषणा समारोह आयोजित किया गया। आयोजन का एम एस टीम्स के साथ-साथ यूट्यूब लिंक के माध्यम से भी सीधा प्रसारण किया गया।

एस ई एम सी के घोषणा समारोह में स्वागत उद्बोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

सीएसआईआर-सीरी के निदेशक **डॉ पी सी पंचारिया** ने वर्चुअल माध्यम से आयोजित इस घोषणा कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने मुख्य अतिथि डॉ चंद्रशेखर, कुलाधिपति, एसीएसआईआर और पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य, कुलपति, बिट्स-पिलानी एवं डॉ वी के तिवारी, निदेशक, आईआईटी-खड़गपुर, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव श्री जयंत सहस्रबुद्धे जी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ जी, विभा-राजस्थान के सचिव डॉ मेघेन्द्र शर्मा सहित कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े सभी गणमान्य अतिथियों व विज्ञान भारती – राजस्थान के पदाधिकारियों आदि का स्वागत किया। उन्होंने आयोजन के संबंध में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि यह आयोजन एक सामान्य वैज्ञानिक संगोष्ठी नहीं अपितु महोत्सव है जिसे हम उत्साहपूर्वक मना रहे हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी के समन्वित सहयोग से आईआईएसएफ का यह संस्करण अपने उद्देश्यों में सफल रहेगा।

मुख्य अतिथीय उद्बोधन देते हुए प्रोफेसर चंद्रशेखर, कुलाधिपति, एसीएसआईआर एवं पूर्व निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

एसीएसआईआर के कुलाधिपति तथा सीरी के पूर्व निदेशक **प्रोफेसर चंद्रशेखर** ने घोषणा समारोह में मुख्य अतिथीय संबोधन देते हुए आयोजन के लिए आत्मनिर्भर भारत तथा विश्व कल्याण के लिए विज्ञान विषय को चुनने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और विज्ञान भारती की प्रशंसा की। उन्होंने अपने समय और वर्तमान समय में विद्यार्थियों के पास उपलब्ध सुविधाओं व अवसरों की तुलना करते हुए विद्यार्थियों को मॉडलों के माध्यम से अपने नवाचारों को आकार देने का आह्वान किया। उन्होंने चुनौतियों और कठिनाइयों से भागने की बजाय उनका डटकर सामना करते हुए समाधान प्रस्तुत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यही सफलता का मूलमंत्र है। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलावों की भी चर्चा की।

विशिष्ट अतिथीय उद्बोधन देते हुए
प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य, कुलपति, बिट्स-पिलानी

बिट्स-पिलानी के कुलपति **प्रोफेसर सौविक भट्टाचार्य** ने विशिष्ट अतिथीय उद्बोधन में बिट्स-पिलानी में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों का संदर्भ देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन नई प्रतिभाओं को तलाशने का महत्वपूर्ण माध्यम होते हैं। राष्ट्र की चहुँमुखी प्रगति को अपने संबोधन के केंद्र में रखते हुए उन्होंने समय के अनुसार शिक्षण-प्रशिक्षण में परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। अंत में उन्होंने कार्यक्रम की ऊर्जा के लिए सीरी और विडउान भारती - राजस्थान की प्रशंसा की और संपूर्ण आयोजन की सफलता की कामना की।

इस अवसर पर आईआईटी-खड़गपुर के निदेशक **डॉ वी के तिवारी** ने भारतीय युवा शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि हमारे पास युवा प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हमारे छात्रों को अवसर और उचित मार्गदर्शन प्राप्त हों तो वे कुछ भी कर सकते हैं। डॉ तिवारी ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए देश की युवा जनशक्ति को साधना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आईआईटी-खड़गपुर की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए गतवर्ष खड़गपुर में आयोजित किए गए इस महोत्सव के अनुभव साझा किए।

विशिष्ट अतिथीय उद्बोधन देते हुए
डॉ वी के तिवारी, निदेशक, आईआईटी-खड़गपुर

आधार व्याख्यान देते हुए श्री जयंत सहस्रबुद्धे, राष्ट्रीय आयोजन सचिव, विज्ञान भारती

विज्ञान भारती के राष्ट्रीय आयोजन सचिव **श्री जयंत सहस्रबुद्धे** ने इस अवसर पर **आधार व्याख्यान** दिया । अपने व्याख्यान में अंतरराष्ट्रीय महोत्सव की पृष्ठभूमि और संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारत त्योहारों का देश है इसलिए हमें विज्ञान को भी पर्व की ही भाँति

आयोजित करना चाहिए । इस अवसर पर आईआईएसएफ आयोजन के अंतरराष्ट्रीय पक्ष पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने भारतीय संस्कृति की वसुधैव कुटुम्बकम संकल्पना को रेखांकित किया। उन्होंने इस संपूर्ण आयोजन में सीएसआईआर और विज्ञान भारती के प्रयासों की सराहना की। कोविड 19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों का संदर्भ देते हुए श्री सहस्रबुद्धे ने कहा कि विपरीत और विषम परिस्थितियों के बावजूद माननीय विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ हर्षवर्धन द्वारा आयोजन का निर्णय लेना और सीएसआईआर व विज्ञान भारती द्वारा इसे मूर्तरूप दिया जाना स्वागत योग्य है।

आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए
डॉ मेघेन्द्र शर्मा, सचिव, विज्ञान भारती – राजस्थान

इससे पूर्व आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विज्ञान भारती – राजस्थान के सचिव **डॉ मेघेन्द्र शर्मा** ने संपूर्ण आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने प्रतियोगिता की आयोजन प्रक्रिया एवं पुरस्कारों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रतिभागिता हेतु पंजीकरण आरंभ हो चुका है और आशा व्यक्त की कि सभी के समन्वित सहयोग से प्रतियोगिता में भारत सहित अन्य देशों से भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी सम्मिलित होंगे।

अंत में सुप्रसिद्ध मौसम वैज्ञानिक तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं विज्ञान भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़** द्वारा **धन्यवाद ज्ञापित** किया गया। डॉ राठौड़ ने भी आयोजन की सफलता की कामना की।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़, उपाध्यक्ष,
विज्ञान भारती – राजस्थान

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्र गान का दृश्य

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, राजभाषा एवं जनसंपर्क अधिकारी तथा सुश्री नलिनी पारीक, वैज्ञानिक ने अतिथियों का परिचय दिया। घोषणा (कर्टन रेज़र) समारोह का शुभारंभ पारंपरिक रूप से **सरस्वती वंदना** के साथ हुआ। सभी अतिथियों ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर आमंत्रण के लिए निदेशक, सीएसआईआर-सीरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।